चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

कोर्स वर्क (पीएच0 डी0)

(वर्ष 2014–15 से प्रभावी)

प्रश्न पत्र

1 शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

2 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

कोर्स वर्क (पीएच0 डी0)
शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

शोध स्वरूप : सैद्धांतिक पक्ष

क. शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप
ख. शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि
ग. शोध के प्रयोजन
घ. शोध और आलोचना

शोध के प्रकार

1. क. साहित्यिक शोध
   ख. अन्तर विद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय)
2. भाषा वैज्ञानिक शोध
3. पाठालोचन
4. लोक साहित्यिक शोध
5. तुलनात्मक शोध

विषय चयन तथा शोध–विधि

क. विषय चयन
ख. शोध क्षेत्र तथा शोध दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार
ग. रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति
घ. सामग्री–संकलन–विभिन्न पद्धतियाँ (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि) संकलित सामग्री की उपयोग विधि।

विषय–प्रतिपादन की पद्धति

क. सामग्री का विभाजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात) तथा संयोजन
ख. उद्धरण तथा संदर्भोल्लेख (पाद, टिप्पणी लेखन)
ग. भूमिका, उपसंहार लेखन
घ. परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री) अनुक्रम,
   1. संदर्भ ग्रंथ सूची
   2. पत्र व्यवहार तथा अन्य उल्लेख

हिन्दी कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब–पब्लिशिंग का परिचय।
- इण्टरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इण्टरनेट समय मितव्ययता के सूत्र।
- वेब–पब्लिशिंग।
- इण्टरनेट एक्सप्लोइर अथवा नेटस्केप।
- लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना

बाह्य परीक्षा अंक स्वरूप

आवश्यक निर्देश :–

परीक्षार्थी को उक्त पाँच खण्डों में से कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो प्रश्न पूछे जाएंगे। अधिकतम दस प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

कोर्स वर्क (पीएच0 डी0)
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

(क) मध्ययुगीन बोध और स्वरूप
दार्शनिक पृष्ठभूमि – **वेदांत, अद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, सूफी, निर्गुण।**
विभिन्न धर्म साधनाएँ और आन्दोलन

(ख) मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य
आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति
उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय आंदोलन, समाज सुधार आन्दोलन, विकास की कल्पना और अन्तर्राष्ट्रीयता, पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिंदी लोक जागरण

(ग) आधुनिक विचार दृष्टियाँ :–
मार्क्सवाद, समाजवाद, गांधीवाद, मनोविश्लेषणवाद,
अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद,

(घ) समकालीन विमर्श
संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद (विखंडनवाद), नव साम्राज्यवाद, संस्कृति विमर्श, दलित विमर्श, स्त्री–विमर्श, जनजातीय विमर्श

(ड) **स्वातन्त्रोत्तर साहित्यिक आन्दोलन, नई कविता , नई कहानी, नाटक एवं रंगमंच, अन्य विधाएं**

आवश्यक निर्देश : –

सभी पाँच खण्डों में से कम से कम दो–दो प्रश्न और कुल मिलाकर दस प्रश्न पूँछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।